08/0/2021 B.A Subsidary Paper I

Page No.: 1
Date: / /

Q सामाजिक संगठन से आप क्या समझते है।
What do you understand by the Concept of Social Organisation?

Ans आगबर्न तथा निमकॉफ के अनुसार "संगठन किसी कार्य को करवाने की प्रभावपूर्ण युक्ति है।" संगठन से तात्पर्य विभिन्न अंगों को मिलाकर सुव्यवस्थित रूप से कार्य करना है। मानव शरीर के भिन्न - भिन्न अंग होते है जो भिन्न-भिन्न कार्य करते है किन्तु फिर भी इनमें एक सुन्दर संगठन बना रहता है। देखने, सुनने, चखने और सूंघने की इन्द्रियां ~~[illegible]~~ (organs) इस प्रकार से संगठित है कि वे एक दूसरे के साथ अन्त: क्रिया (Interact) करती है। सम्पूर्ण शरीर संतुलन (Balance) में रहता है इसी प्रकार समाज का संगठन (organisation) भी बनाये रखना आवश्यक है वरना सामाजिक असंतुलन पैदा हो जाता है जिसमें समाज को प्रगति में बाधा पड़ जाती है। समाज के अवयव (organs) - संस्थायें समितियाँ और समूह है। समाज को तभी संगठित माना जायेगा जबकि वे भिन्न - भिन्न अवयव भली भाँति अपना कार्य करते रहे। इस प्रकार सामाजिक संगठन एक दशा के साथ-साथ एक प्रक्रिया (Process) भी है।

संगठित समाज में प्रत्येक सदस्य की सुनिश्चित स्थिति रहती है। व्यक्ति की स्थिति (status) भी निर्धारित रहती है। वहां सुख, शान्ति तथा व्यवस्था पाई जाती है अर्थात संगठित समाज में विभिन्न इकाईयां सुसंगठित रूप से काम करती रहती हैं तथा परिवर्तित दशाओं से युक्ति-पूर्वक अनुकूलन करने में सफल होती है।

सामाजिक संगठन का अर्थ

विभिन्न समाजशास्त्रियों ने विभिन्न परिभाषा द्वारा समझने का प्रयत्न किया है। कुछ प्रमुख परिभाषाओं का उल्लेख इस प्रकार किया जा सकता है -

समाजशास्त्र के शब्दकोष (Dictionary of Sociology) के अनुसार "सामाजिक संगठन से तात्पर्य - "समाज के उन उप-समूहों के संगठन से है जिसमें विशेषकर आयु, लिंग, नातेदारी, पेशा, निवास, सम्पत्ति, विशेष अधिकार, सत्ता और पद की भिन्नताओं पर आधारित समूहों में सम्मिलित किया जाता है।

(The organization of a society means the organization of sub group including in particular those based on differences in age, sex kinship, occupation, residence property, privilage authority and status)

ईलियट और मैरिल (Elliott and Merrill) का कथन है "सामाजिक संगठन वह दशा अथवा स्थिति है जिसमें किसी समाज की विभिन्न संस्थाएं अपने स्वीकृत और पूर्व - निर्धारित उद्देश्यों के अनुसार कार्य कर रही होती हैं।"

लम्ले (Lumley) के अनुसार "सामाजिक संगठन एक समष्टि है जो कि सहयोग करने वाले विशेष उपयुक्त भागों से मिलकर बना है।"

आगबर्न तथा निमकॉफ (Ogburn and Nimkoff) के अनुसार "संगठन विभिन्न कार्यों को सम्पन्न करने के लिए विभिन्न अंगों का संयुक्तकरण है।"

रयूटर तथा हार्ट (Reuter and Hart) के मतानुसार "सामाजिक संगठन से अभिप्राय सांस्कृतिक समितियों की पूर्णता और समूह की विशेषता, असंगठित क्रियाओं के समूह सहित उनके परस्पर संबंधों से है।"

लैपियरे (R.T Lapiere) के अनुसार, सामाजिक उच्च कोटि के क्रियात्मक संतुलन की ओर संकेत करता है। (Social organisation is taken to indicate a degree of functional equilibrium)

इस प्रकार से हम कह सकते है कि सामाजिक संगठन (Social organisation) किसी भी समाज के निर्माण एवं कार्य को सही ढंग से चलाने के लिए इसका निर्माण किया जाता है। और समाज में संतुलन को बनाये रखने में बहुत बड़ी भूमिका निभाती है। Social organistion सामाजिक संगठन के द्वारा समाज का किसी प्रकार के उद्देश्य की पूर्ति हेतु एक सबल platfrom माना जा सकता है।

Vijant Kumar Mishra
Asst Professor (Guest faculty)
Dept of Sociology.
Date-08/06/2022